

| | |
|--|-----|
| <i>Prolog</i> | 5 |
| Das himmlische Finale zum irdischen Trauerakte | 13 |
| <i>Der tote König</i> | |
| Sie haben ihn in' See neigsteßn | 27 |
| <i>Die Gerüchteküche</i> | |
| Stimmen von heute | 44 |
| <i>Guglmänner</i> | |
| Sire, einzig wahrer König dieses Säkulums | 47 |
| <i>Die Verklärung</i> | |
| Vom Fin de siècle zum Science-Fiction | 63 |
| <i>Die Zeitumstände</i> | |
| Ein Märchenprinz im grünen Sammetrocke | 91 |
| <i>Der Thronfolger</i> | |
| Stimmen von heute | 111 |
| <i>Paula Bosch</i> | |
| Das Bulyowsky-Luder soll sich zum Teufel scheren | 115 |
| <i>Die Liebe</i> | |
| Langjang, Lederstrumpf und Lohengrin | 139 |
| <i>Die Geisteswelt</i> | |
| Ich kann nicht leben in dem Hauch der Grüfte | 161 |
| <i>Der Rückzug</i> | |
| Vom Zauber des Hindu-Kuh | 187 |
| <i>Die Gegenwelt</i> | |
| Man muss sich solche Paradiese schaffen | 209 |
| <i>Die Traumhäuser</i> | |
| Stimmen von heute | 243 |
| <i>Gerd Hirzinger</i> | |
| Eine letzte Erfüllung? | 249 |
| <i>Die Meerfahrt</i> | |
| <i>Anhang</i> | 260 |